

# प्रगति पुंज

तृतीय संस्करण  
वार्षिक पत्रिका 2024-25



स्थापना वर्ष-2003.  
**राजकीय पॉलीटेक्निक कोटाबाग**  
(नैनीताल)







# प्रगति पुंज

तृतीय संस्करण  
वार्षिक पत्रिका 2024-25



(संरक्षक)

सुमित कुमार सिंह  
(प्रधानाचार्य)

(प्रधान संपादक)

चेतना चौहान धपोला  
विभागाध्यक्ष (बेसिक साइंस)

(सह संपादक)

आशीष भारद्वाज (व्याख्याता इलैक्ट्रॉनिक्स इंजी०)  
लेनिन पन्त (पुस्तकालयाध्यक्ष)

(छात्र संपादक)

राज प्रताप, कम्प्यूटर साइंस एंड इंजी० (अंतिम वर्ष)  
लोकेश लोबियाल, कम्प्यूटर साइंस एंड इंजी० (अंतिम वर्ष)  
राकेश चन्द्रा, इलैक्ट्रॉनिक्स इंजी० (अंतिम वर्ष)  
कृष्णा रावत, इलैक्ट्रॉनिक्स इंजी० (द्वितीय वर्ष)  
भानु कोठारी, कम्प्यूटर साइंस एंड इंजी० (प्रथम वर्ष)  
सक्षम शर्मा, इलैक्ट्रॉनिक्स इंजी० (प्रथम वर्ष)

**राजकीय पॉलीटेक्निक, कोटाबाग (नैनीताल)**

प्रपत्र 4  
(नियम- 8 के अंतर्गत)

1. प्रकाशक का स्थान - राजकीय पॉलीटेक्निक कोटाबाग  
नैनीताल
2. प्रकाशन का समयान्तर - वार्षिक
3. मुद्रक - श्रीहरि प्रिन्टर्स, हल्द्वानी (नैनीताल)
4. प्रकाशक  
पद - श्री सुमित कुमार सिंह  
प्रधानाचार्य  
राष्ट्रीयता - भारतीय  
पता - राजकीय पॉलीटेक्निक कोटाबाग (नैनीताल)
5. प्रधान संपादक - चेतना चौहान धपोला  
पद - विभागाध्यक्ष  
राष्ट्रीयता - भारतीय  
पता - राजकीय पॉलीटेक्निक कोटाबाग (नैनीताल)

मैं एतद्वारा घोषणा करती हूँ कि मेरी जानकारी के अनुसार उपरोक्त सभी सूचनाएं सत्य हैं।

दिनांक : 21-05-2025

चेतना चौहान धपोला  
(प्रधान संपादक)



देश राज  
निदेशक



निदेशालय प्राविधिक शिक्षा उत्तराखण्ड  
श्रीनगर (पौड़ी गढ़वाल)

दूरभाष — 01346-250169 / 251937 (कार्यालय)  
— 01346-250168 (फैक्स)

अर्द्धशा0 पत्रांक : 10982 / नि0प्रा0शि0 / शुभ संदेश / 2024-25

श्रीनगर : दिनांक : 15-02-2025

**:: संदेश ::**

प्रिय श्री सुमित कुमार सिंह


मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि राजकीय पॉलीटेक्निक कोटाबाग अपनी वार्षिक पत्रिका “प्रगति पुंज” का तृतीय संस्करण प्रकाशन करने जा रहा है, जिसके लिए संस्थान के छात्रगण, सम्पादक मण्डल एवं आप बधाई के पात्र हैं।

संस्थान के छात्र-छात्राओं में तकनीकी शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण ज्ञान के साथ ही चारित्रिक गुणों का समाहित होना भी आवश्यक है। तीव्र गति से परिवर्तित हो रहे वैश्विक परिवेश, आधुनिक टेक्नोलॉजी तथा इन्टरनेट के इस आधुनिक युग में छात्र-छात्राओं में विज्ञान एवं तकनीकी के प्रति एक विशेष लगाव एवं रुझान होना भी समय की मांग है।

मुझे आशा है कि यह पत्रिका छात्र-छात्राओं में वैचारिक अभिव्यक्ति, सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक सरोकार, अनेकता में एकता जैसे सामाजिक मूल्यों के पोषण में भी सफल होगी।

मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामनाओं के साथ छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। इस अवसर पर आप सभी को मेरी एवं निदेशालय परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं हैं।

श्री सुमित कुमार सिंह  
प्रधानाचार्य  
राजकीय पॉलीटेक्निक कोटाबाग।

भवनिष्ठ  
  
(देश राज)



## उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा परिषद् रुड़की (हरिद्वार)

पता : सुनेहरा रोड (निकट-कै. एल. पॉलीटेक्निक छात्रावास) काशीपुरी- 247667

दूरभाष / फ़ैक्स : 01332-266349 website:www.ubter.in, E-mail-jsubte15@gmail.com

संख्या : 4236 / उप्राशिप / अधि0 / विविध-दो(2) / 2024-25

डा० राजेश उपाध्याय,  
सचिव।

दिनांक : 25 फरवरी 2025

प्रिय महोदय,

यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि आपकी संस्था वार्षिक पत्रिका 'प्रगति पुंज' का प्रकाशन करने जा रही है, जिसके लिए संस्थान के समस्त शिक्षक, छात्र-छात्रा, सम्पादक मण्डल एवं आप बधाई के पात्र हैं।

संस्थान में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण ज्ञान के साथ-साथ वैचारिक एवं चारित्रिक गुणों का समाहित होना भी समान रूप से आवश्यक है। यह पत्रिका संस्थान के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं में लेखन के प्रति अभिरुचि, वैचारिक अभिव्यक्ति, सामाजिक सरोकार, सांस्कृतिक विरासत तथा अनेकता में एकता जैसे सामाजिक मूल्यों के पोषण में सहायक सिद्ध होगी, ऐसी मेरी कामना है।

इस अवसर पर आप सभी को मेरी एवं परिषद् परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं हैं।

मंगलकामनाओं सहित।

भवनिष्ठ

(डॉ० राजेश उपाध्याय)

सेवा में,

श्री सुमित कुमार सिंह  
प्रधानाचार्य  
राजकीय पॉलीटेक्निक कोटाबाग।



आलोक मिश्रा  
संयुक्त निदेशक



---

---

निदेशालय प्राविधिक शिक्षा उत्तराखण्ड  
श्रीनगर, (पौड़ी गढ़वाल)

---

---

दूरभाष :- 01346-250169 / 251937 (कार्यालय)  
— 01346-250168 (फैक्स)

अर्द्धशा० पत्रांक :- 12407 / नि०प्रा०शि०/शुभ संदेश/2024-25  
श्रीनगर : दिनांक : 26.03.2025

: संदेश :

प्रिय श्री सुमित कुमार सिंह,

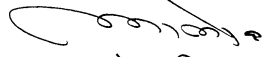
मुझे यह जानकर अत्यधिक हर्ष हो रहा है कि राजकीय पॉलीटेक्निक कोटाबाग, नैनीताल विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी अपनी वार्षिक पत्रिका "प्रगति पुंज-2024-25" का प्रकाशन करने जा रही है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पत्रिका में प्रकाशित साहित्यिक एवं तकनीकी लेख छात्र/छात्राओं में चेतना जागृत करेंगे तथा उन्हें जीवन में आगे बढ़ने में प्रेरणा देंगे।

मेरी कामना है कि संस्था का स्टॉफ अपने छात्रों को उच्च स्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करके देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे।

मैं पत्रिका के सफलतापूर्वक प्रकाशन के साथ-साथ संस्था के समस्त स्टाफ, छात्र/छात्राओं की उन्नति एवं उनके तथा संस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

मंगलकामनाओं सहित।

श्री सुमित कुमार सिंह  
प्रधानाचार्य  
राजकीय पॉलीटेक्निक कोटाबाग।

भवनिष्ठ  
  
आलोक मिश्रा  
संयुक्त निदेशक  
प्राविधिक शिक्षा उत्तराखण्ड  
श्रीनगर गढ़वाल

देवेन्द्र गिरी  
संयुक्त निदेशक



निदेशालय प्राविधिक शिक्षा उत्तराखण्ड  
श्रीनगर (पौड़ी गढ़वाल)

दूरभाष — 01346-250169 / 251937 (कार्यालय)  
— 01346-250168 (फैक्स)

अर्द्धशता० पत्रांक : 11408 / नि०प्रा०शि० / शुभ संदेश / 2024-25

श्रीनगर : दिनांक : 28-02-2025

:: संदेश ::

प्रिय श्री सुमित कुमार सिंह

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि संस्था द्वारा संस्था की वार्षिक पत्रिका “प्रगति पुंज” वर्ष 2024-25 का तृतीय संस्करण प्रकाशित किया जा रहा है, जिसके लिए संस्थान के छात्रगण, सम्पादक मण्डल एवं आप बधाई के पात्र हैं।

संस्थान के छात्र-छात्राओं में तकनीकी शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण ज्ञान के साथ ही चारित्रिक गुणों का समाहित होना भी आवश्यक है। तीव्र गति से परिवर्तित हो रहे वैश्विक परिवेश, आधुनिक टेक्नोलॉजी तथा इन्टरनेट के इस आधुनिक युग में छात्र-छात्राओं में विज्ञान एवं तकनीकी के प्रति एक विशेष लगाव एवं रुझान होना भी समय की मांग है। संस्था का उद्देश्य मात्र शिक्षा नहीं बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित करना है। मुझे आशा है कि यह पत्रिका छात्र-छात्राओं में वैचारिक अभिव्यक्ति, सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक सरोकार, अनेकता में एकता जैसे सामाजिक मूल्यों के पोषण में भी सफल होगी एवं छात्रों को अपनी रचनात्मक और विचारों को प्रस्तुत करने का एक अद्भुत अवसर प्रदान करेगी।

मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामनाओं के साथ छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। इस अवसर पर आप सभी को मेरी एवं निदेशालय परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं हैं।

भवनिष्ठ

(देवेन्द्र गिरी)

श्री सुमित कुमार सिंह  
प्रधानाचार्य  
राजकीय पॉलीटेक्निक कोटाबाग।



एस०के० वर्मा  
उप निदेशक



निदेशालय प्राविधिक शिक्षा उत्तराखण्ड  
श्रीनगर (पौड़ी गढ़वाल)

दूरभाष — 01346-250169 / 251937 (कार्यालय)  
— 01346-250168 (फैक्स)

अर्द्धशा० पत्रांक : 10978 / नि०प्रा०शि० / शुभ संदेश / 2024-25

श्रीनगर : दिनांक : 15-02-2025

**:: संदेश ::**


प्रिय श्री सुमित कुमार सिंह

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि संस्था द्वारा संस्था की वार्षिक पत्रिका “प्रगति पुंज” वर्ष 2024-25 का तृतीय संस्करण प्रकाशित किया जा रहा है, जिसके लिए संस्थान के छात्रगण, सम्पादक मण्डल एवं आप बधाई के पात्र हैं।

संस्थान के छात्र-छात्राओं में तकनीकी शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण ज्ञान के साथ ही चारित्रिक गुणों का समाहित होना भी अवश्यभावी है, चूंकि पत्रिका छात्र-छात्राओं के भाव की अभिव्यक्ति, लेखन के प्रति अभिरुचि का विकास एवं उत्तरदायित्व निर्वहन का माध्यम होती है। यह पत्रिका छात्र-छात्राओं वैचारिक अभिव्यक्ति, सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक सरोकार, अनेकता में एकता जैसे सामाजिक मूल्यों के पोषण में भी सफल होगी, ऐसी मेरी कामना है।

मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामनाओं के साथ छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। इस अवसर पर आप सभी को मेरी एवं निदेशालय परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं हैं।

भवनिष्ठ

  
(एस. के. वर्मा)

श्री सुमित कुमार सिंह  
प्रधानाचार्य  
राजकीय पॉलीटेक्निक कोटाबाग।

## प्रधानाचार्य का संदेश



प्रिय छात्र/छात्राओं,

राजकीय पॉलीटेक्निक कोटाबाग नैनीताल की वार्षिक पत्रिका “प्रगति पुंज” 2024–25 के प्रकाशन पर मुझे अपार हर्ष हो रहा है। यह पत्रिका हमारे संस्थान के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के उत्साह और मेहनत का प्रतिबिम्ब है।

आज का युग प्रौद्योगिकी का युग है। प्रौद्योगिकी ने हमारे जीवन का हर क्षेत्र बदल दिया है। इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी इस बदलाव की अगुवाई कर रहा है। हमारे संस्थान का उद्देश्य ऐसे इंजीनियर तैयार करना है, जो प्रौद्योगिकी के नवीनतम विकास के साथ परिचित रहें और समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकें। तकनीकी एवं अभियंत्रण की दृष्टि से एक विकसित मानसिकता के साथ आपको एक अच्छा नागरिक भी बनना है, जो जाति व धर्मों की सीमाओं से उठ कर संपूर्ण मानवता की सेवा कर सके। मैं आशा करता हूँ कि हमारे छात्र/छात्राएं इस पत्रिका से प्रेरणा लेंगे और साथ ही यह पत्रिका इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी के क्षेत्र को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मैं इस पत्रिका के प्रकाशन पर आप सभी को बधाई देता हूँ। मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका हमारे संस्थान की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के साथ ही साथ कला, संस्कृति, इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी के क्षेत्र को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

अन्त में सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को इस पत्रिका के प्रकाशन हेतु किये गये प्रयासों के लिए हृदय से धन्यवाद करता हूँ।

धन्यवाद।

(सुमित कुमार सिंह)  
प्रधानाचार्य,



## सम्पादकीय



वर्तमान समय में जब शिक्षा को रोजगार उन्मुख बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं तथा शिक्षा व्यवस्था में व्यवसायिक पाठ्यक्रमों का विशेष रूप से समावेश किया जा रहा है, ऐसे माहौल में शैक्षणिक संस्थाओं में लेखन, कौशलता, सृजनात्मकता, वैचारिक अभिव्यक्ति जैसे विषय गौण होते जा रहे हैं, जबकि किसी भी विद्यार्थी के व्यक्तित्व के संपूर्ण विकास के लिए इन विषयों का भी उतना ही महत्व है, जितना व्यवसायिक तथा अन्य कौशलात्मक प्रशिक्षणों का।

लेखन के माध्यम से व्यक्ति अपने विचारों को लिपिबद्ध करता है, जिससे उसके दृष्टिकोण, व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों तथा व्यक्तिगत रुचि के विषय में पता चलता है। जिस गति से संचार तथा मनोरंजन के साधनों का विकास हो रहा है, उतनी ही तीव्र गति से विद्यार्थियों तथा जनमानस में अध्ययन की रुचि समाप्ति की ओर जा रही है।

संस्था स्तर पर पत्रिका प्रकाशन छात्र-छात्राओं को अपनी अभिव्यक्ति को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करता है एवं विद्यार्थियों में लेखन तथा पठन-पाठन प्रवृत्ति को विकसित करता है। छात्र-छात्राओं की लेखन अभिव्यक्ति के माध्यम से हमें उनके व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों का पता चलता है। इसके साथ ही यह विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाता है तथा विद्यार्थियों में अध्ययन की प्रवृत्ति को विकसित करता है।

किसी भी संस्था की पत्रिका संस्था का प्रतिबिम्ब होती है, जिसमें संस्था से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारीयों, उपलब्धियों के साथ-साथ संस्था के सदस्यों व छात्र-छात्राओं के विचारों का समावेश होता है। पत्रिका जहां एक ओर छात्र-छात्राओं को लेखन प्रतिभा का अवसर प्रदान करती है, वहीं दूसरी ओर उनके भीतर संवेदनशीलता, सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

संस्था प्रधानाचार्य महोदय श्री सुमित कुमार सिंह के प्रयासों से पॉलीटेक्निक कोटाबाग अपनी वार्षिक पत्रिका “प्रगति पुंज” के तृतीय संस्करण का प्रकाशन करने जा रही है। पत्रिका के इस अंक के प्रकाशन हेतु छात्र-छात्राओं, सम्मानित शिक्षकगणों एवं अन्य रचनाकारों के रचनात्मक सहयोग एवं भाव अभिव्यक्ति के लिए आप सभी का हार्दिक आभार। मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका निश्चित रूप से अपने उद्देश्य की प्राप्ति में सफल रहेगी। पत्रिका के प्रकाशन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी व्यक्तियों का मैं व्यक्तिगत रूप से आभार व्यक्त करती हूँ।

धन्यवाद।

सम्पादक  
चेतना चौहान धपोला  
विभागाध्यक्ष (बेसिक साइंस एंड ह्यूमेनिटीज)  
राजकीय पॉलीटेक्निक कोटाबाग

## अनुक्रमणिका

क्र.सं.	शीर्षक	लेखक	पृ.सं.
01.	संस्था का संक्षिप्त ऐतिहासिक परिचय	-	11
02.	स्टाफ सूची	-	12
03.	Vision & Mission of the College	-	13
04.	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस	गौरव जोशी	21
05.	First Day of College	Nisha Dasila	22
06.	स्वामी विवेकानन्द	अंजली महारा	22
07.	कॉलेज का पहला दिन	सक्षम शर्मा	23
08.	वर्तमान समय में तकनीकी शिक्षा का महत्व	सौरभ गिरी	24
09.	कहानी हसीन होनी चाहिए	जितेन्द्र गुसाई	25
10.	साइबर सुरक्षा	संजय कुमार, विभागाध्यक्ष (सी.एस.ई.)	26-27
11.	सपनों की उड़ान	कल्पना बिष्ट	28
12.	Thought	किशन छिम्वाल	29
13.	तुम चलो तो सही	सीमा बोहरा	30
14.	To A Friend	Suhani Patwal	35
15.	Cyber Security	Kavita Bisht	36
16.	कोशिश कर	गौरव जोशी	36
17.	Cloud Computing	Simran Kargeti	37
18.	Technical Article	Vivek Kumar, HOD Electronics Engg.	38-39
19.	Draw to Dream	Simran Kargeti	40
20.	कविता	कमल पलड़िया	40
21.	Placement Report	-	41
22.	मानव शरीर से संबंधित सामान्य जानकारी	दीपेश जलाल	42
23.	Memories	Tapasya Bisht	43
24.	Twin Star	Priya Sharma	43
25.	Whisper of the Moon	Krishna Adhikari	44
26.	Importance of Relationship in Human Life	Neeraj Singh Jeena	44-45
27.	कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी	राजेश कोहली, व्याख्याता सी.एस.ई.	46-48
28.	Kingdom of Kumaon	Paras Joshi	49
29.	Whisper of Dawn	Raj Pratap Singh	50
30.	Web Development	Ashutosh Lohani	50
31.	Linux Operating System	Sahil Kumar	51
32.	World Politics and Pressing Matters	Chetan Rajput	52
33.	Thoughts	Bhanu Kothari	53
34.	भारत की प्रगति कविता	राजेश कोहली व्याख्याता	53
35.	Cyber Crime	Sumit Thuwal	54
36.	New Methods To Break Down Man-Made Chemicals	Chetana Chawhan Dhapola H.O.D. Basic Science	55-56
37.	Annual Sports Meet 2024-25	-	57-58
38.	Karna	Priyanshu Dhariyal	59-60
39.	छत्रपति वीर शिवाजी	कंचन जोशी	60



## : संस्था का संक्षिप्त ऐतिहासिक परिचय :

राजकीय पॉलीटेक्निक कोटाबाग (नैनीताल) की स्थापना 18 अक्टूबर 2003 माननीय भूतपूर्व मुख्यमंत्री स्व० श्री नारायण दत्त तिवारी द्वारा तकनीकी शिक्षा में महिलाओं की सहभागिता बढ़ानी के उद्देश्य से की गयी।

शैक्षणिक वर्ष 2004-05 में संस्था को AICTE का अनुमोदन मिलने के उपरान्त कम्प्यूटर साइंस एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग ब्रांच में 40-40 की प्रवेश क्षमता के साथ संस्था का संचालन राजकीय इण्टर कालेज कोटाबाग परिसर में स्थित मिनी आई० टी० आई० के भवन में प्रारम्भ किया गया। वर्ष 2005 में शासन द्वारा संस्था को 2.0234 हैक्टेयर वन भूमि आबंटित की गयी। वर्ष 2009 से संस्था अपने स्वयं के भवन में संचालित हो रही है। 2 फरवरी 2011 को संस्था का नाम राजकीय महिला पॉलीटेक्निक से राजकीय पॉलीटेक्निक कोटाबाग कर दिया गया तथा वर्तमान में संस्था को सह शिक्षा (को एड) संस्थान के रूप में संचालित किया जा रहा है।

संस्था कोटाबाग ब्लॉक के पाण्डेगाँव नामक स्थान पर कालाढुंगी-रामनगर मुख्य मोटरमार्ग से 17 किमी० दूरी पर स्थित है। हल्द्वानी से 40 किमी० तथा नैनीताल से 52 किमी० की दूरी पर स्थित यह संस्थान वर्तमान में छात्र-छात्राओं को तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	प्रारम्भ वर्ष	अवधि	प्रवेश क्षमता (वर्तमान में)
1.	कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग	2004	त्रिवर्षीय	30
2.	इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग	2004	त्रिवर्षीय	30

- ◆ संस्था से निकटतम रेलवे स्टेशन हल्द्वानी-काठगोदाम एवं एयरपोर्ट पंतनगर है।
- ◆ समुद्र तल से ऊँचाई 1200 मीटर है।
- ◆ ईमेल आई०डी० – gpkotabagh@gmail.com
- ◆ वेबसाइट – www.gpkotabagh.org.in
- ◆ सम्पर्क – 05947-285453, 8887561190

प्रधानाचार्य  
राजकीय पॉलीटेक्निक  
कोटाबाग

## स्टाफ सूची

क्र.सं.	कार्मिक का नाम	पदनाम	मोबाइल नं०
1.	श्री सुमित कुमार सिंह	प्रधानाचार्य	9412325929
2.	श्री विवेक कुमार	विभागाध्यक्ष इलै० इंजी०	9412944295
3.	श्री संजय कुमार	विभागाध्यक्ष कम्प्यूटर साइंस	9412100811
4.	श्रीमती चेतना चौहान धपोला	विभागाध्यक्ष बेसिक साइंस	9927643580
5.	श्री आशीष भारद्वाज	व्याख्याता, इलैक्ट्रॉनिक्स इंजी०	9557606422
6.	श्री राजेश कोहली	व्याख्याता कम्प्यूटर साइंस	9997677983
7.	श्री देवेन्द्र सिंह भण्डारी	कर्मशाला अनुदेशक	9412148083
8.	श्रीमती ईरा रावत	कर्मशाला अनुदेशक	9917322544
9.	श्री चारु चन्द्र पाण्डे	कर्मशाला अनुदेशक	9012777255
10.	श्री लेनिन पन्त	पुस्तकालयाध्यक्ष	9761684496
11.	श्री प्रकाश नाथ गोस्वामी	प्रधान सहायक	7088731829
12.	श्रीमती नीलम वर्मा	वरिष्ठ सहायक	9837205267
13.	श्री मनोज कुमार	वरिष्ठ सहायक	8171148495
14.	श्रीमती विमला देवी	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	7579141185
15.	श्रीमती मीनाक्षी खनी	व्याख्याता कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजी (आउट सोर्स)	8954269328
16.	श्रीमती लता जोशी	व्याख्याता इलेक्ट्रॉनिक्स इंजी (आउट सोर्स)	9899581228
17.	श्री धर्मेन्द्र जोशी	व्याख्याता भौतिकी (आउटसोर्स)	9456144036
18.	कु० शिवानी यादव	व्याख्याता गणित (आउटसोर्स)	8077967846
19.	श्री प्रताप सिंह बिष्ट	पी०आर०डी०	9456175930
20.	श्री दिनेश सिंह बजवाल	पी०आर०डी०	9149213931
21.	श्री चन्द्र प्रकाश उपाध्याय	पी०आर०डी०	9917282977
22.	श्री पानदेव काण्डपाल	पर्यावरण मित्र (आउटसोर्स)	6397443089

दिनांक 21/05/2025



### Vision

TO BE A RESPECTED AND SOUGHT AFTER TECHNICAL INSTITUTION ENGAGED IN EQUIPPING INDIVIDUALS CAPABLE OF FULFILLING THE NEEDS OF SOCIETY & INDUSTRY.



### Mission

TO DEVELOP TOMORROW'S TECHNICAL LEADERS & ENTREPRENEURS THROUGH INSPIRATIONAL AND CREATIVE TEACHING THAT MOTIVATES STUDENTS TO ASSIMILATE, ANALYSE AND APPLY RELEVANT KNOWLEDGE AND SKILLS VALUED BY INDUSTRY AS WELL AS SOCIETY.



## Staff Members



### Sitting Row (L to R)

Ms. Shivani Yadav (Lect.)  
Mrs. Meenakshi Khani (Lect.)  
Mrs. Chetana Chauhan Dhapola (H.O.D.)  
Mr. Sumit Kumar Singh (Principal)  
Mr. Vivek Kumar (H.O.D.)  
Mr. Rajesh Kohali (Lect.)  
Mr. Aashish Bhardwaj (Lect.)  
Mr. Dharmendra Joshi (Lect.)

### Standing Row (L to R)

Mr. Pan Dev Kandpal (Paryavaran Mitra)  
Mr. Lanin Pant (Librarian)  
Mr. Prakash Nath Goswami (Chief Assistant)  
Mrs. Vimla Devi (Peon)  
Mrs. Era Rawat (Workshop Inst.)  
Mr. Devendra Singh Bhandari (Workshop Instructor)  
Mr. Manoj Kumar (Senior Assistant)  
Mr. Charu Chandra Pandey (Workshop Instructor)  
Mr. Pratap Singh Bisht (PRD)



## Editorial Board



### Sitting Row (Left to Right)

1. Mr. Lanin Pant (Librarian)
2. Sri Aashish Bhardwaj, Lect. Electronics
3. Sri Sumit Kumar Singh, Principal
4. Smt. Chetana Chauhan Dhapola - HOD, Basic Science
5. Smt. Era Rawat - Workshop Instructor

### Standing Row (L to R)

1. Lokesh Lobiyal : CSE, Final year
2. Raj Pratap : CSE, Final year
3. Krishna Rawat : Electronics Engg., IInd year
4. Rakesh Chandra : Electronics Engg., Final year
5. Km. Bhanu Kothari : CSE, I year
6. Shaksham Sharma : Electronics Engg. I year



## Independence Day



Tiranga Yatra



## C.S.E. Final Year



## Electronics Engg. Final Year





## C.S.E. IInd Year



## Electronics Engg. IInd Year





## Electronics Engg. 1st Year



## C.S.E. 1st Year







# आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (Artificial Intelligence)

ए. आई. (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) या कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कंप्यूटर विज्ञान का एक क्षेत्र है, जो मशीनों को इंसानों की तरह सोचने और काम करने की क्षमता प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य मशीनों को आत्मनिर्भर बनाने का है, ताकि वे डेटा का विश्लेषण कर सकें, निर्णय ले सकें और समस्याओं का समाधान कर सकें।

कुछ प्रमुख ए.आई. तकनीकों में निम्नलिखित शामिल हैं :

1. **मशीन लर्निंग (Machine Learning)** : यह एक ए.आई. तकनीक है, जिसमें कंप्यूटर सिस्टम खुद से सीखता है और अनुभव के आधार पर बेहतर परिणाम देने की क्षमता प्राप्त करता है। इसे आमतौर पर डेटा के आधार पर प्रशिक्षित किया जाता है।
2. **डीप लर्निंग (Deep Learning)** : यह मशीन लर्निंग की एक उपशाखा है, जो न्यूरल नेटवर्क्स को उपयोग करता है, जो मानव मस्तिष्क की तरह काम करते हैं। यह बड़े पैमाने पर डेटा से पैटर्न सीखने में सक्षम है।
3. **नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (Natural Language Processing - NLP)** : यह तकनीक कंप्यूटरों को मानव भाषा को समझने और उसे उत्पन्न करने में सक्षम बनाती है। उदाहरण के लिए, चैटबॉट्स और वॉयस असिस्टेंट्स जैसे सिरि, गूगल असिस्टेंट।
4. **कंप्यूटर विज़न (Computer Vision)** : यह तकनीक मशीनों को दृष्टि (Visual perception) प्रदान करती है, जिससे वे चित्रों और वीडियो का विश्लेषण कर सकते हैं और उनका अर्थ निकाल सकते हैं।
5. **रोबोटिक्स (Robotics)** : ए.आई. का उपयोग रोबोट्स को बुद्धिमान बनाने के लिए किया जाता है, ताकि वे अपने पर्यावरण में स्वतः कार्य कर सकें और इंसान के द्वारा दिए गए आदेशों का पालन कर सकें।

गौरव जोशी  
C.S.E. (Final Yaer)

## First Day of College

New Place, new people, new horizon.  
Memorable, first day at the college.  
Excited, happy with apprehensions.  
New Place, new people, new horizon.  
Would conquer the career with passion  
And get friends, freedom with knowledge  
New Place, new people, new horizon.  
Memorable, first day at the college.

Name : Nisha Dasila  
Class : IInd year  
Branch : CSE

## स्वामी विवेकानन्द

जन्म अठारह सौ तिरसठ की बारह जनवरी को पाया,  
विश्वनाथ दत्त जी के घर बेटा बनकर वह आया।  
माता भुवनेश्वरी देवी थी नाम नरेन्द्र धराया,  
रामकृष्ण परमहंस को अपना गुरु बनाया।।

ऊँचे कुल में जन्मा, फिर भी छुआ नहीं अभिमान,  
लाल मिला यह भारत माँ को बनकर पुत्र महान।  
भोग विलास न जिसको भाया, सेवा का व्रत धारा,  
सन्यासी योगी बन, जिसने जीवन पूर्ण गुजारा।।

भारत के जन के उत्थान को लक्ष्य बनाया,  
घूम-घूम कर देश-विदेश में संस्कृति ध्वज फहराया।  
दीन हीन जन की सेवा को जिसने पूजा माना,  
उसे विवेकानंद नाम से सारे जग ने जाना।।

अंजली महारा

सी.एस.ई.  
प्रथम वर्ष

## कॉलेज का पहला दिन

जब मैं पहली बार कॉलेज गया, तो मेरे मन में उत्साह और घबराहट दोनों ही भावनाएँ थीं। कॉलेज की सुरक्षित दीवारों को छोड़कर एक नए वातावरण में प्रवेश करना किसी भी छात्र के लिए एक बड़ा बदलाव होता है। हमारे कॉलेज में दो शाखाएँ हैं- 1. कम्प्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग, 2. इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग। मैं जिस शाखा में पढ़ता हूँ वह इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग है। कॉलेज का पहला दिन मेरी जिंदगी के सबसे यादगार दिनों में से एक था।

**सुबह की शुरुआत :-** सुबह जल्दी उठकर मैंने कॉलेज के लिए तैयार होने की प्रक्रिया शुरू की। मेरे माता-पिता भी मेरी इस नई यात्रा को लेकर उत्साहित थे। उन्होंने मुझे प्रोत्साहित किया और कुछ महत्वपूर्ण सलाह दी, जैसे ही मैं घर से निकला मन में कई तरह के सवाल उठ रहे थे। क्या मुझे दोस्त मिलेंगे? क्या अध्यापक बहुत सख्त होंगे? और क्या मैं कॉलेज के माहौल में ढल पाऊँगा? यह सारे सवाल मैं अपने मन में लेकर, कॉलेज में पहली शिक्षा पढ़ी और नए कॉलेज में नई कक्षा, तो पहले दिन सभी अध्यापकों ने परिचय दिया और हमारा परिचय लिया।

**कॉलेज पहुँचने का अनुभव :-** कॉलेज का विशाल परिसर देखकर मैं आश्चर्यचकित रह गया। स्कूल के मुकाबले यह एक पूरी तरह अलग दुनिया थी हमारे कॉलेज की। हर ओर नए चेहरे थे, कुछ उत्साहित तो कुछ मेरी तरह घबराए हुए। मैंने अपने बैच के अन्य छात्रों को ढूँढ़ने की कोशिश की और धीरे-धीरे मेरी मुलाकात कुछ नए सहपाठियों से हुई।

**पहला लेक्चर :-** हमारे डिपार्टमेंट के हेड द्वारा लिया गया, जिसमें उन्होंने हमें कॉलेज के नियम, पाठ्यक्रम और भविष्य की संभावनाओं के बारे में बताया, उन्होंने यह भी समझाया कि कॉलेज जीवन केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह आत्म-विकास और नए अनुभवों का एक महत्वपूर्ण दौर होता है।

**नए दोस्त और अनुभव :-** लेक्चर खत्म होने के बाद कुछ सहपाठियों से बातचीत शुरू हुई और जल्द ही हमें आपस में दोस्ती का एहसास होने लगा। हमने एक साथ कैंटीन जाने का फैसला किया, जहाँ हमने खुलकर बातें की और अपने-अपने अनुभव साझा किए, वह पल बहुत खास था, क्योंकि यह मेरे कॉलेज जीवन की पहली दोस्ती थी।

**पहले दिन क्या सीखा :-** कॉलेज का पहला दिन मुझे सिखा गया कि जीवन में बदलाव को अपनाना बहुत जरूरी है। शुरु में घबराहट होती है, लेकिन धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य लगने लगता है, नए दोस्त, नए शिक्षक और नया माहौल सब कुछ सीखने और समझने का एक अनोखा अवसर होता है।

**निष्कर्ष :-** कॉलेज का पहला दिन सिर्फ एक साधारण दिन नहीं था, बल्कि यह मेरे जीवन की एक नई यात्रा की शुरुआत थी। यह दिन मुझे हमेशा याद रहेगा, क्योंकि इसने मुझे नए अनुभव, दोस्ती और आत्मविश्वास से भर दिया।

**सक्षम शर्मा**

इलेक्ट्रॉनिक इंजी०

प्रथम वर्ष



## वर्तमान समय में तकनीकी शिक्षा का महत्व

वर्तमान समय में तकनीकी शिक्षा का बहुत महत्व है। तकनीकी शिक्षा से देश के विकास में तेजी आती है। यह देश के मानव संसाधन विकास में अहम भूमिका निभाती है। तकनीकी शिक्षा से कुशल जनशक्ति का निर्माण होता है, जिससे औद्योगिक उत्पादन बढ़ता है और लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है।

### तकनीकी शिक्षा के महत्व -

- ☐ तकनीकी शिक्षा से छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है।
- ☐ यह छात्रों को व्यवसाय चुनने में भी मदद करती है।
- ☐ तकनीकी शिक्षा से देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।
- ☐ तकनीकी शिक्षा से छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है।
- ☐ तकनीकी शिक्षा से विशेषज्ञ, इंजीनियर और तकनीशियन मिलते हैं।
- ☐ तकनीकी शिक्षा से देश के युवाओं को प्रशिक्षण मिलता है और उन्हें हुनर सिखाए जाते हैं।

### तकनीकी शिक्षा से जुड़ी हुई चुनौतियां -

- ☐ तकनीकी शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी होने की वजह से छात्रों को विषय समझने में दिक्कत होती है।
- ☐ तकनीकी शिक्षा के लिए योग्य और प्रशिक्षित शिक्षक नहीं मिल पा रहे हैं।
- ☐ तकनीकी शिक्षा में प्रयोगों का विशेष महत्व है, लेकिन ज्यादातर स्कूलों में सिर्फ सैद्धांतिक शिक्षा पर जोर दिया जाता है।

किसी देश के विकास में उस देश की शैक्षिक व्यवस्था का अत्यधिक महत्व होता है और अगर उस शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को व्यवसाय दिलाना और उनको जीविकोपार्जन योग्य बनाना हो, तो उस देश का विकास निश्चित होता है। शिक्षा अपने वास्तविक उद्देश्यों और लक्ष्यों की प्राप्ति तभी कर सकती है, जब वह शिक्षा तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा हो। वर्तमान में शिक्षा की घटती गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए जरूरी है कि शिक्षा को पूर्णतः तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा में परिवर्तित किया जाए। तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा छात्रों को व्यवसाय चुनने में ही सहायक नहीं है, अपितु इसके द्वारा छात्रों का सर्वांगीण विकास भी किया जाता है। आधुनिक युग में बढ़ती जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए यह आवश्यक है कि शिक्षा को छात्रों के अनुरूप बनाया जाए, जिससे वह अपने वास्तविक उद्देश्यों की प्राप्ति कर सकें। बेरोजगारी की समस्या को हल करने के लिए तकनीकी शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। कुशल लोग बेरोजगार नहीं हो सकते। यदि वे अपना खुद का व्यवसाय शुरू करते हैं, तो इस प्रकार बेरोजगारी की समस्या को कम करने में मदद मिलती है। तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा किसी देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। तकनीकी शिक्षा निर्विवाद रूप से राष्ट्र की आर्थिक स्थिति को बढ़ावा देती है। तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा के कई लाभ होते हैं। यदि किसी देश के पास पर्याप्त तकनीकी ज्ञान है, तो निःसंदेह विकास की गति तेज होगी। तकनीकी शिक्षा कुशल जन शक्ति का सृजन कर औद्योगिक उत्पादन को बढ़ाकर और लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करके देश के मानव संसाधन विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हमारा देश प्राकृतिक साधनों से धनी है।

सौरभ गिरी

सी.एस.ई.

प्रथम वर्ष

## कहानी हसीन होनी चाहिए

किरदार चाहे जो भी हो,  
कहानी हसीन होनी चाहिए .....  
दिल में अच्छाई और  
आँखों में प्यार होना चाहिए .....

मायूसी में क्या रखा है  
जिंदगी तो गुलजार होनी चाहिए .....  
सजते तो सभी हैं आजकल  
पर उसमें थोड़ी सादगी की मिलावट होनी चाहिए .....

यू तो सबकी जिंदगी का सफर आसान नहीं होता  
जिंदगी जीने के लिए खुशमिजाज होना चाहिए .....  
मिठास होठों पर ही  
दिल में होनी चाहिए .....

लोग चाहे जैसा भी बर्ताव करें  
पर आपके बर्ताव में सरकार होनी चाहिए .....  
स्वार्थ से भरी इस दुनिया में  
थोड़ा निस्वार्थ भी होना चाहिए .....  
किरदार चाहे जो भी हो,  
कहानी हसीन होनी चाहिए .....

जितेन्द्र गुसाई  
सी.एस.ई. (प्रथम वर्ष)

## साइबर सुरक्षा

### साइबर अपराध क्या है? -

साइबर अपराध ऐसे गैर-कानूनी कृत्य हैं, जो डिजिटल प्लेटफार्म या इंटरनेट के माध्यम से किए जाते हैं। ये अपराध आर्थिक नुकसान, गोपनीयता के उल्लंघन और सामाजिक अशांति का कारण बन सकते हैं।

### साइबर अपराधों के प्रमुख प्रकार -

1. **हैकिंग** - अनाधिकृत रूप से किसी के सिस्टम या नेटवर्क में प्रवेश करना।
2. **डेटा चोरी** - संवेदनशील डेटा, जैसे बैंक खाते की जानकारी, पासवर्ड आदि चुराना।
3. **फिशिंग** - नकली ईमेल या वेबसाइट के माध्यम से लोगों को धोखा देना।
4. **मालवेयर अटैक** - वायरस, ट्रोजन या अन्य सॉफ्टवेयर का उपयोग करके सिस्टम को नुकसान पहुंचाना।
5. **डिनायल ऑफ सर्विस (DoS) अटैक** - सर्वर या नेटवर्क को ठप करना।
6. **साइबर स्टॉकिंग** - किसी व्यक्ति को इंटरनेट के माध्यम से परेशान करना।
7. **रैनसमवेयर** - डेटा को एन्क्रिप्ट करके फिरौती मांगना।
8. **पासवर्ड अटैक** - उपयोगकर्ता का पासवर्ड चुराने या उसे क्रैक करने का प्रयास।
9. **मैन-इन-द-मिडल अटैक** - हैगर को दो पक्षों के बीच संचार को बाधित करके डेटा चुराना है।
10. **सोशल इंजीनियरिंग** - लोगों को धोखा देकर संवेदनशील जानकारी प्राप्त करना।

### साइबर सुरक्षा क्या है?

साइबर सुरक्षा का मतलब है ऑनलाइन प्लेटफार्मों, कंप्यूटर सिस्टम, नेटवर्क और डेटा को अनधिकृत पहुंच, नुकसान, चोरी और साइबर हमलों से बचाना। इसमें विभिन्न तकनीकों और प्रक्रियाओं का उपयोग किया जाता है, जैसे-

- ◆ नेटवर्क सुरक्षा
- ◆ डेटा एन्क्रिप्शन
- ◆ साइबर जागरूकता अभियान
- ◆ हैकिंग रोधी उपाय

साइबर सुरक्षा का मुख्य उद्देश्य ऑनलाइन वातावरण को सुरक्षित बनाना है ताकि लोग बेफिक्र होकर डिजिटल सेवाओं का उपयोग कर सकें।

### भारत में साइबर सुरक्षा की आवश्यकता

भारत दुनिया के सबसे बड़े इंटरनेट उपयोगकर्ता देशों में से एक है। डिजिटल इंडिया पहल, ऑनलाइन बैंकिंग, ई-कामर्स और सरकारी सेवाओं के डिजिटलीकरण ने साइबर सुरक्षा को और भी महत्वपूर्ण बना दिया है। भारत में साइबर हमलों के बढ़ते मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एक मजबूत साइबर सुरक्षा प्रणाली आवश्यक है।

### चुनौतियाँ -

- ◆ अपर्याप्त जागरूकता
- ◆ कमजोर साइबर कानून
- ◆ डिजिटल प्रणाली की जटिलता
- ◆ साइबर खतरों की बढ़ती तकनीकी क्षमता

### साइबर सुरक्षा अधिनियम - 2008

#### 1- Stay Safe Online

नेशनल साइबर सिक््योरिटी एलायंस द्वारा संचालित, यह वेबसाइट व्यक्तिगत और व्यवसायिक सुरक्षा के लिए टिप्स और संसाधन प्रदान करती है।

2. **US-CERT (United States Computer Emergency Readiness Team)**  
यह वेबसाइट साइबर खतरों और घटनाओं के बारे में नवीनतम अलर्ट प्रदान करती है।
3. **Cyber Aware**  
यूके आधारित पहल जो साइबर खतरों को रोकने के लिए जनता को शिक्षित करती है।
4. **Have I Been Pwned**  
यह वेबसाइट आपको यह जांचने की सुविधा देती है कि आपका ईमेल या डेटा बीच में उजागर हुआ है या नहीं।
5. **OWASP (Open Web Application Security Project)**  
वेब एप्लिकेशन की सुविधा के लिए संसाधन और उपकरण प्रदान करता है।
6. **Cyber Security Hub**  
यह प्लेटफॉर्म साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के लिए एक वैश्विक समुदाय है।
7. **Krebs on Security**  
यह एक ब्लॉग है जो साइबर अपराध और सुरक्षा खतरों की गहन जानकारी देता है।

#### **साइबर सुरक्षा के लिए आवश्यक टूल्स -**

1. **एंटीवायरस सॉफ्टवेयर** - वायरस, मैलवेयर और साइबर खतरों से बचाव।
2. **फायरवॉल** - नेटवर्क में अनधिकृत पहुंच को रोकना।
3. **पासवर्ड मैनेजर** - जटिल पासवर्ड बनाने और उन्हें सुरक्षित रखने में मदद करता है।
4. **वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क** - इंटरनेट ट्रैफिक को एन्क्रिप्ट कर गोपनीयता बनाए रखना।
5. **डेटा एन्क्रिप्शन टूल्स** - संवेदनशील डेटा को एन्क्रिप्ट करना।
6. **फिशिंग सिमुलेटर** - फिशिंग हमलों को पहचानने के लिए प्रशिक्षण देना।
7. **नेटवर्क स्कैनिंग टूल्स** - नेटवर्क में कमजोरियों और अनधिकृत उपकरणों का पता लगाना।
8. **एंडपॉइंट सुरक्षा टूल्स** - डेस्कटॉप, लैपटॉप और मोबाइल उपकरणों को सुरक्षित करना।
9. **दो-स्तरीय प्रमाणीकरण** - उपयोगकर्ता खातों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा परत।
10. **श्रेड इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म** - संभावित साइबर खतरों की पहचान और रोकथाम।

**संजय कुमार**  
विभागाध्यक्ष  
कम्प्यूटर साइंस एंड इंजी०

## सपनों की उड़ान

रोशनी की एक किरण हूँ मैं,  
आँधियों से न डरुं, अग्निपथ चलूँ मैं।  
रास्ते चाहे मुश्किल हो जितने,  
हर मोड़ पर खुद को बदलूँ मैं।

कभी किताबों में, कभी ख्यालों में,  
कभी खुद से, कभी सवालों में,  
खोई नहीं, पर रोई भी हूँ।

गिरती भी हूँ, संभलती भी हूँ,  
कभी टूटी फिर जुड़ी भी हूँ।  
हार को सीढ़ी बना लिया,  
अपने हौसलों को खुद से बुलंद किया।

दुनिया कहे कि राह कठिन है,  
मैं कहूँ मेरी मंजिल यकीन है।  
आँधियाँ चले या तूफान आएँ,  
सपने मेरे कभी थम न पाएँ।

एक कदम पर, हर मोड़ पर  
नई कहानी लिख रही हूँ मैं  
सपनों की उड़ान हूँ मैं,  
आसमां को छू रही हूँ मैं।

कल्पना बिष्ट  
सी.एस.ई. तृतीय वर्ष



# Thought

“मंजिल उन्हीं को मिलती है,  
जिनके सपनों में जान होती है।  
पंख से कुछ नहीं होता हौसलों  
से उड़ान होती है।”

“सफलता अक्सर कड़ी मेहनत की,  
राह पर चलकर ही हासिल होती है।  
केवल बड़ी बातें करने से,  
सफलता हासिल नहीं होती।”

“विद्यार्थी के लिए कोई भी लक्ष्य बड़ा नहीं होता,  
हारता वही है, जो दिल से लड़ा नहीं होता।”

“जब लोग आपको कॉपी करने लगे,  
तो समझ लेना जिंदी में सफलता मिलने वाली है।

किशन छिम्वाल  
इलै० इंजी० प्रथम वर्ष

## तुम चलो तो सही

राह में मुश्किल होगी हजार,  
तुम दो कदम बढ़ाओ तो सही,  
हो जाएगा हर सपना साकार,  
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।

मुश्किल है पर इतना भी नहीं,  
कि तुम कर ना सको।  
दूर है मंजिल लेकिन इतनी भी नहीं,  
कि तुम पा ना सको।  
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।

एक दिन तुम्हारा भी नाम होगा,  
तुम्हारा भी सत्कार होगा,  
तुम कुछ लिखो तो सही,  
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।

सपनों के सागर में कब तक गोते लगाते रहोगे,  
तुम एक राह चुनो तो सही,  
तुम उठो तो सही, तुम कुछ करो तो सही,  
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।

कुछ ना मिला तो कुछ सीख जाओगे,  
जिंदगी का अनुभव साथ ले जाओगे,  
गिरते पड़ते संभल जाओगे,  
फिर एक बार तुम जीत जाओगे।  
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।

सीमा बोहरा  
सी.एस.ई.  
प्रथम वर्ष

## Freshers Party, Farewell Party & Annual Function





## Some Glimpses of Cultural Activities





## Sports Meet 2025









# To a Friend

We walked together on the sands  
We gambelled in the gun.  
We quaffed life's gayest droughts away,  
And thought that all was fun.

But yesterday the Earth was green.  
The birds trilled sweetly on.  
And now the Earth lies grim and bare,  
And all the birds have Gone.

I wonder, friend, if where you are  
The sun doth ever shine.  
Are you in sunny Avalon?  
or with fair Proserpine?

I sometimes ask if there is God,  
Some have all they desire;  
while you, my dearest friend, my all  
Have vanished in the fire.

The nights lie barrenly behind,  
Day follows bitter day,  
My only consolation you  
And you have gone away.

Suhani Patwal  
Elex Engg. Ist year

# Cyber Security

Cyber security is part of technologies created to protect devices, networks, programs, and data from modification or unauthorized access. This is a very important technology nowadays. For example, today online shopping websites are very popular. These websites requires to share information like email ID, address and credit card details. These details are saved on that website and a server to enable a faster and hassle-free shopping experience. Now, these details are prone to be accessed by fraudsters who can use this information to harm us. So to protect us from such situations, cyber security plays an important role. Different tools, such as web vulnerability scanning tools, security compliance tools and network security monitoring tools, are used to ensure that the data is safe.

## Career Opportunities

This technology is becoming more popular day by day; therefore, there are ample opportunities to build a career in this field. The career opportunities available in the field of cyber security include:

- Malware Analyst
- Security Engineer
- Ethical Hacker
- Chief Security

Name : Kavita Bisht  
Year : IInd year  
Branch : CSE

## कोशिश कर

कोशिश कर, हल निकलेगा,  
आज नहीं तो कल निकलेगा।।  
अर्जुन के तीर सा सध,  
मरुस्थल से भी जल निकलेगा।।

मेहनत कर, पौधों को पानी दे,  
बंजर धरती से भी फल निकलेगा।।  
ताकत जुटा, हिम्मत को आग दे,  
फौलाद का भी बल निकलेगा।।

जिंदा रख, दिल में उम्मीदों को,  
गरल के समन्दर से भी गंगाजल निकलेगा।।  
कोशिशें जारी रख कुछ कर गुजरने की,  
जो है आज थमा-थमा सा चल निकलेगा।।

गौरव जोशी  
इलेक्ट्रॉनिक्स इंजी०  
प्रथम वर्ष

## CLOUD COMPUTING

**Cloud computing** is "a paradigm for enabling network access to a scalable and elastic pool of shareable physical or virtual resources with self-service provisioning and administration on-demand," according to ISO. Cloud computing is the on-demand availability of computing resources (such as storage and infrastructure), as services over the internet. It eliminates the need for individuals and businesses to self-manage physical resources themselves and only pay for what they use. Cloud computing service models are based on the concept of sharing on-demand computing resources, software and information over the internet. Companies or individuals pay to access a virtual pool of shared resources, including compute, storage and networking services, which are located on remote servers that are owned and managed by service providers. Types of cloud computing deployment model :-

**Public clouds** are run by third-party cloud service providers and network resources over the internet, enabling companies to access shared on-demand resources based on their unique requirements and business goals.

**Private clouds** are built, managed and owned by a single organization and privately hosted in their own data centers, commonly known as "on-premises" or "on-prem." They provide greater control, security and management of data while still enabling internal users to benefit from a shared pool of compute, storage and network resources.

**Hybrid clouds** combine public and private cloud models, allowing companies to leverage public cloud services and maintain the security and compliance capabilities commonly found in private cloud architectures.

Name : Simran Kargeti  
CSE IIIrd year



## ***Technical Article***

### ***Technologies 2050 : Awesome innovations in the future***

#### **Artificial eyes :**

A trend started by Alastor "Mad eye" Moody from Harry Potter researchers are working in it to make this a reality. In January 2021, Israel implanted the first artificial cornea into a blind 72-year-old man.

#### **Bricks with energy :**

Scientists have found a way to store energy in the bricks. Researchers in Washington had found this.

#### **Electric Cars :**

Car batteries are lasting longer, the charging station infrastructure is growing and self-driving technology is heavily being invested in meaning. Tesla has some complex auto-pilot that can take over some driving controls.

#### **Flying cars :**

When there is no space left on the road, is it not reasonable to think we might fly on skies? There are many flying cars that show this future is a realistic possibility. Example-jet cars.

#### **James Mickson :**

Assistant professor of Harvard university, commented "Technology will result in a civic innovation". The question is evolve to exploit the advantages of new tech and mitigate problems.

#### **Airport for drones and flying taxis :**

Our congested cities are in desperate need of a breather and relief may come from the air as opposed to the roads. Plans for a different kind of transport hub one for delivery drones and electric air-taxis are becoming a reality, with the first receiving funding from the UK government.

Vivek Kumar  
HOD  
Electronics Engineering

## ***Dancefloor generates electricity at London's first eco-disco!***

Despite its relative simplicity, the composite generates a much higher power density than other devices with a similar structure and has an energy conversion efficiency of seven percent. Wang told us that if the Nano generator were to be embedded in a pair of shoes, an average-build person could generate around 3W just by walking. For reference, that would be roughly enough to power an iPad 2 (if you wanted to power the new iPad, however, you'd have to either pick up your pace or put on a few pounds).

Preliminary durability studies have confirmed that, even after thousands of cycles in which the material was repeatedly bent and released, the Nano generator consistently produced the same amount of electric current, with no noticeable degradation in performance.

## ***The Bendy Touchpad***

Scientists have recently developed a new type of touchpad. This touch pad can bend in different ways and still keep its touch screen properties. This tech is being developed all over the world to help with electronics such as touch screen phones or tablets. It could even be used in clothes, prosthetic limbs, or even the human body itself. This new technology is made with hydrogel, the same material used in contact lenses. The materials required to make this device is fairly cheap and may be helpful in the near future. Scientists are still working to make the touchpad more durable and stronger. I think that this is a great achievement in touchpad technology. I feel that this may be a great help with iPhones and the issue of their screens cracking after one drop. It could also help other devices and give them a stronger screen. I think that the fact that this could be woven into clothing is very interesting and reminds me of a fabric that did the exact same thing in Mission Impossible: Rogue Nation. I feel that scientists could release this to electronics' companies and help make the screens stronger. I like this device a lot and I think it will impact many things in our everyday society for the better.

Vivek Kumar  
HOD  
Electronics Engineering

## Draw to Dream

Close your eyes and let  
your imagination fly away.  
See a picture of where  
you wish to be one day.

Let the colors of your  
heart take command  
to paint the picture of your  
dream & place it in your hand.

Hold on tightly & nurture it  
but allow it room to grow.  
When you reach your dream,  
open your hand & let it go.

Close your eyes and search for  
another caring for it as before  
Never stop reaching, achieving and  
letting go, for that's what dream are for

Name - Simran Kargeti  
Branch - CSE  
Year - IIIrd Year

## कविता

जीवन की राह में चलते जाओ  
मुस्कान के साथ, प्यार के साथ।  
हर पल को जियो, हर क्षण को महसूस करो।

जीवन की खूबसूरती को देखो  
और उसका आनंद लो।  
या फिर, यहाँ एक छोटी सी कविता है।

चाँदनी रात में तारे टिमटिमाते हैं,  
प्यार की बारिश में दिल खुशियों से भर जाता है

जीवन की राह में मुस्कान की धूप है  
और दिल की गहराई में प्यार की गूंज है।

कमल पलड़िया  
इलैक्ट्रॉनिक्स इंजी०  
प्रथम वर्ष



# Placement Report

## Year 2024-25

S.No.	Name of Branch	Placement %	Name of Industries
1.	Electronics Engg.	100%	1- Makakalinfra Esolution Pvt. Ltd. Kashipur 2- Bajaj Auto Ltd., Pantnagar 3- Bajaj Capital, Rudrapur
2.	CSE	100%	4- M/s Interfact Micorsystems, Rudrapur 5- Anand Group of Companies. 6- VVDN Technologies, Gurgaon



## :: मानव शरीर से संबंधित सामान्य जानकारी ::

1. शरीर का सबसे बड़ा अंग – त्वचा
2. मस्तिष्क की रक्षा करने वाली हड्डी – खोपड़ी
3. हृदय का मुख्य कार्य – पंप करना
4. शरीर का प्राथमिक श्वसन अंग – नाक
5. शरीर का सबसे बड़ी हड्डी – जाँघ की हड्डी
6. शरीर का वह भाग जो पावरहाउस के नाम से जाना जाता है – माइटोकान्ड्रिया
7. शरीर में कुल हड्डियों की संख्या – 206
8. स्पर्श व संवेदना के लिए शरीर का प्राथमिक अंग – त्वचा
9. जाँघ की हड्डी का नाम – फीमर
10. मानव शरीर में कितने प्रतिशत जल पाया जाता है ? – 66%
11. मानव शरीर की सबसे छोटी हड्डी – स्टेपीज
12. कैल्शियम क्रिस्टल शरीर के किस भाग का सामान्य हिस्सा है ? – कान
13. रक्त का pH मान कितना होता है ? 7.3 से 7.5 तक
14. मानव शरीर में रुधिर में प्लाज्मा की प्रतिशत मात्रा ? – 55%
15. स्वस्थ व्यक्ति का हृदय 1 मिनट में कितनी बार धड़कता है ? – 72 बार
16. मानव शरीर में सर्वाधिक पाया जाने वाला तत्व – लोहा
17. मानव शरीर की कोशिका में गुणसूत्रों की संख्या ? – 46
18. मानव शरीर का सामान्य तापमान ? – 36.9°C
19. मानव शरीर की सबसे कठोर अस्थि ? – जबड़ा
20. 120/80 में ऊपर की संख्या क्या दर्शाती है ? – सिस्टोलिक
21. प्लाज्मा में जल का प्रतिशत ? – 90%
22. मानव शरीर में कुल मांसपेशियाँ ? – 600 से 840 तक
23. रक्त का शुद्धिकरण कहाँ होता है ? – किडनी में
24. रक्त का रंग लाल किसके कारण होता है ? – हीमोग्लोबिन के कारण
25. **RBC** व **WBC** की Full Form -  
**RBC** - Red Blood Cells  
**WBC** - White Blood Cells
26. मानव शरीर का रक्त बैंक ? – प्लीहा
27. **RBC** कहाँ उपस्थित या उत्पन्न कहाँ होती है ? – अस्थि मज्जा
28. **RBC** का जीवनकाल ? – 120 दिन
29. हार्मोन का एक उदाहरण – ऑक्सीटोसिन।
30. मानव शरीर में अनिवार्य एमिनो अम्लों की संख्या ? – 20

Name - Deepesh Jalal  
Branch - CSE  
Year - First Year

# MEMORIES

Memories are hard to send off ...  
They are something ...  
you can't deny ... off ...  
Those days .....  
Those nights ...

Simply dark and  
Extremely bright  
Brighter than sun ...  
Chilled than moon ...

There was my sukoon ...  
From morning till afternoon ...  
It was friends ...

Memories makes their mark ...  
Like shinning bright in ...  
Really dark.  
These are memories ...

Tapasya Bisht  
CSE Ist year

# Twin Star

Can you hear my heart?  
oh, but I can tell!  
we are twin stars  
with different births.

My caring shadow  
It has your face  
The voice of my soul  
Knows well your name.

Tell me  
Can you hear my heart?  
Oh! how I love you,  
My best friend.

Priya Sharma  
CSE Ist year



## WHISPERS OF THE MOON .....

The moon glow softly in the night,  
A beacon of peace, soven and bright.  
She whispere dreams to wandering hearts,  
Guiding souls where magic starts.

Thorough Silver beams and quiet skies.  
She holds the world with gentle ties-  
A timeless friend, forever near.  
Chasing shadows, calming Fear.

Krishna Adhikari  
Branch - CSE  
Year - Ist year

## Importance of relationship in human life

☆ Human relationship plays a social role in shaping our lives influencing our emotions, behaviours and overall well - being. They are the bedrock of our social existence, providing support, love and a sense of belonging. This essay explores the importance of relationships in human life, highlighting their impact on personal developement, emotional health and societal cohesion.

### ★ The foundation of personal development

☆ From early childhood, relationships significantly influence our personality and behaviour. It bonds us with our family members especially caregivers, shape our understanding of trust and emotional security. Positive experiences in these formative years foster secure attachment styles, enabling individuals to develop healthy relationships later in life. conversely, negative experiences can lead to difficulties in forming connections as adults often resulting interpersonal conflicts thus, nurturing relationship durin childhood in vital for fostering emotional resilience and social spills.

### ★ Emotional well-being

☆ Healthy relationships contributes significantly to emotional well-being. They provide a support network that helps individuals navigate life's ups and downs. Research indicates that individual with strong social connections experience lower levels of stress and anxiety. The simple act of sharing laughter and engaging in meanngful conversations can enhance mood and fromote overall happiness.

## **Emotional well - being**

Healthy relationship contributes significantly to emotional well-being they provide a support network, that helps individual navigate life's up and downs. Research indicates that individual with strong social connections experience lower levels of stress and anxiety. The simple act of sharing laughter and engaging in meaningful conversations can enhance mood and promote overall happiness.

## **Societal Cohesion -**

On a broader scale, relationships are fundamental to societal cohesion. They create networks of trust and cooperation, that enable communities to function effectively. When individuals engage positively with one another-whether in families, workplace or in neighbourhood, they contribute a culture of support and mutual respect. This interconnectedness is essential for addressing social issues collectively and fostering a sense of belonging among community members.

## **Importance of Relationship in Human Life-**

Human relationship plays a social role for shaping our lives, influencing our emotions, behaviours and overall well-being. They are the bedrock of our social existence, providing support, love and a sense of belonging. This essay explores the importance of relationships in human life, highlighting their impact on personal development, emotional health and social cohesion.

## **The foundation of personal development -**

From early childhood, relationships significantly influence our personality and behaviour. It bonds us with our family members especially caregivers, shape our understanding of trust and emotional security. Positive experiences in these formative years foster secure attachment styles, enabling individuals to develop healthy relationships, later in life. Conversely, negative experiences can lead to difficulties in forming connections as adults often, resulting in interpersonal conflicts. Thus nurturing relationships during childhood is vital for fostering emotional resilience and social skills.

## **Conclusion -**

In conclusion, the importance of relationships in human life cannot be neglected. They are integral to personal development, emotional health and societal cohesion. By fostering strong connections with others, individuals enhance their quality of life while contributing to a more harmonious society. As social beings, our ability to form meaningful relationships defines our humanity; thus, investing in these connections is essential for both personal fulfillment and collective well-being.

Neeraj Singh Jeena  
CSE 1st year

# कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी

## ।। परिचय ।।

भारत में कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भविष्य की संभावनाएं बहुत उज्ज्वल हैं। भारत में कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बहुत शोध और विकास हो रहा है, जिससे भारत को दुनिया के सबसे बड़े टेक्नोलॉजी हब्स में से एक बनाने में मदद मिलेगी।

### कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत की प्रगति

भारत में कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बहुत प्रगति हुई है। भारत में कई बड़ी आईटी कंपनियां हैं, जैसे कि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस और विप्रो। ये कंपनियां दुनिया भर में अपनी सेवाएं प्रदान करती हैं।

#### ★ इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IOT)

भारत में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IOT) के क्षेत्र में बहुत शोध और विकास हो रहा है। भारत में कई बड़ी कंपनियां हैं, जो इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IOT) के क्षेत्र में काम कर रही हैं।

#### ★ साइबर सुरक्षा

भारत में साइबर सुरक्षा को बहुत महत्व दिया जा रहा है। भारत सरकार ने साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए हैं।

#### ★ कम्प्यूटर शिक्षा

भारत में कम्प्यूटर शिक्षा को बहुत महत्व दिया जा रहा है। भारत सरकार ने कम्प्यूटर शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए हैं।

#### ★ भविष्य की संभावनाएं

टेक्नोलॉजी और भारत का संबंध बहुत गहरा है। भारत ने पिछले कुछ दशकों में टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बहुत तरक्की की है। यहाँ कुछ महत्वपूर्ण बातें हैं –

1. **आई.टी. उद्योग** : भारत का आई.टी. उद्योग दुनिया में सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक है।
2. **स्टार्ट अप इकोसिस्टम** : भारत में स्टार्ट-अप इकोसिस्टम बहुत तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें कई नये और नवाचारी व्यवसाय शुरू हो रहे हैं।
3. **डिजिटल भारत** : सरकार की डिजिटल भारत की पहल ने देश में डिजिटल साक्षरता और ऑनलाइन सेवाओं को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
4. **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग** : भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में बहुत शोध और विकास हो रहा है।
5. **इंटरनेट और मोबाइल पेनिट्रेशन** : भारत में इंटरनेट और मोबाइल की पहुँच बहुत बढ़ गई है, जिससे लोगों को ऑनलाइन सेवाओं और जानकारी तक पहुंचने में आसानी हो रही है।

इन सभी कारकों ने भारत को एक महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी हब बना दिया है।



## भारत में टेक्नोलॉजी के आयाम

भविष्य में टेक्नोलॉजी के आयाम बहुत व्यापक और गहरे होने की संभावना है। यहाँ कुछ महत्वपूर्ण आयाम हैं, जो भविष्य में टेक्नोलॉजी को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

### ★ आयाम 1 : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग

भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में किया जाएगा, जैसे कि स्वास्थ्य सेवाएं, वित्त, शिक्षा और परिवहन। यह तकनीक हमें अधिक सटीक और कुशल निर्णय लेने में मदद करेगी।

### कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी

#### ★ आयाम 2 : इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IOT)

इंटरनेट अऑफ थिंग्स (IOT) भविष्य में हमारे जीवन को और अधिक सुविधाजनक और कुशल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह तकनीक विभिन्न उपकरणों और सेंसरों को इंटरनेट से जोड़ने में मदद करेगी, जिससे हम अपने घरों और कार्यालयों को अधिक स्मार्ट और सुरक्षित बना सकें।

#### ★ आयाम 3 : ब्लॉकचेन और क्रिप्टोकॉरेसी

ब्लॉकचेन और क्रिप्टोकॉरेसी भविष्य में वित्त और व्यापार के क्षेत्र में क्रांति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह तकनीक हमें अधिक सुरक्षित और पारदर्शी लेनदेन करने में मदद करेगी।

#### ★ आयाम 4 : वर्चुअल और ऑगमेंटेड रियलिटी

वर्चुअल और ऑगमेंटेड रियलिटी भविष्य में मनोरंजन, शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में क्रांति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह तकनीक हमें अधिक यथार्थवादी और इंटरैक्टिव अनुभव प्रदान करेगी।

#### ★ आयाम 5 : क्वांटम कंप्यूटिंग

क्वांटम कंप्यूटिंग भविष्य में कंप्यूटिंग के क्षेत्र में क्रांति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह तकनीक हमें अधिक तेजी से और सटीक कंप्यूटिंग करने में मदद करेगी।

इन आयामों के अलावा, भविष्य में टेक्नोलॉजी के और भी कई अन्य आयाम होंगे, जो हमारे जीवन को और अधिक सुविधाजनक, कुशल और सुरक्षित बनाने में मदद करेंगे।

टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर और भारत का संबंध बहुत गहरा और व्यापक है। यहाँ कुछ महत्वपूर्ण बातें हैं, जो इस संबंध को दर्शाती हैं।

#### ★ प्रारंभिक वर्ष

भारत में कंप्यूटर की शुरुआत 1960 के दशक में हुई थी। उस समय, भारत में कंप्यूटर का उपयोग मुख्य रूप से वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के लिए किया जाता था।

#### ★ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस)

1968 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की स्थापना हुई, जो भारत की पहली सॉफ्टवेयर कंपनी थी। टीसीएस ने भारत में आईटी उद्योग की शुरुआत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

#### ★ इन्फोसिस

1981 में इन्फोसिस की स्थापना हुई, जो भारत की दूसरी सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी है। इन्फोसिस ने भारत में आईटी उद्योग को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

#### ★ विप्रो

1980 में विप्रो की स्थापना हुई, जो भारत की तीसरी सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी है। विप्रो ने भारत में आईटी उद्योग को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

### ★ भारत का आईटी उद्योग

आजकल भारत का आईटी उद्योग दुनिया में सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक है। भारत में कई बड़ी आईटी कंपनियां हैं, जैसे कि टीसीएस, इन्फोसिस, विप्रो और एचसीएल टेक्नोलॉजीज।

### ★ कंप्यूटर शिक्षा

भारत में कंप्यूटर शिक्षा को बहुत महत्व दिया जा रहा है। भारत सरकार ने कंप्यूटर शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए हैं।

### ★ साइबर सुरक्षा

भारत में साइबर सुरक्षा को बहुत महत्व दिया जा रहा है। भारत सरकार ने साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए हैं।

### ★ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग

भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में बहुत शोध और विकास हो रहा है। भारत में कई बड़ी कंपनियां हैं जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में काम कर रही हैं।

### ★ भविष्य की संभावनाएं

भारत के टेक्नोलॉजी और कंप्यूटर उद्योग में भविष्य की संभावनाएं बहुत उज्ज्वल हैं। भारत में टेक्नोलॉजी और कंप्यूटर के क्षेत्र में बहुत शोध और विकास हो रहा है, जिससे भारत को दुनिया के सबसे बड़े टेक्नोलॉजी हब्स में से एक बनाने में मदद मिलेगी।

Name :- Mr. Rajesh Kohli (Lecturer)  
Computer Science and Engineering  
Government Polytechnic Kotabagh

# Kingdom of Kumaon

**Kingdom of Kumaon** (Kumaon : कुमाऊँ राज्य, Persian, Tibetan) Also known as **Kurmanchal**, was a Himalayan Kingdom that existed for nearly 1200 years. The Kingdom was established by Vasu Dev of Katyuri Dynasty in the 7th century after he unified many small principalities. After the fall of the Katyuris in the 11th century and about three centuries of fragmentation, the Chand Dynasty managed to reunify Kumaon in the middle of 15th century. During their rule Kumaon was spread sovereign from river tons to river karnali. They shifted the capital from kartikeyapura (Bajjnath) to Champawat in the 12th century and finally to Almora in 1563. Kumaon was annexed to the Kingdom of Nepal in 1791.

During the 500 year rule of the Katyuris, new culture and traditions began to form, which would serve as the basis of modern day Kumauni culture. Shaivism within Hinduism became the predominant belief of the region. Several temples were built during this time period, like the Jageshwar Temples complex and the Katarmal Sun Temple. Sanskrit and Pali languages were widely used. The administration during this time was done very efficiently. Bridges and roads were well built. All the functionaries were worthy, educated and devoted to their duties. After decline of the Katyuri Dynasty, **Kurmanchal** fragmented into many petty kingdoms.

After about three centuries of fragmentation, the Chand Dynasty unified what is the modern - day Kumaon Division and Doti during the middle of 15th century, although they were present in Kumaon from the 8th century. During the 700 year rule (400 year rule of United Kumaon) of the Chands, culture and religion in Kumaon bloomed and folk traditions and practices gained more and more importance as a popular form of folk Hinduism emerged, which is still majorly practiced. The Kumaoni Language gained prominence while Sanskrit was used only for religious and educational purposes. A party system type of Government was practiced during the Chand rule. All the castes were given representation with this system. For about a century, the kingdom experienced a golden age and became an epicentre for trade, religion, education and literature among the Himalayan Kingdoms. From the start of 18th century the kingdom of Kumaon began to weaken after few powerful families gained a lot of influence and power and a series of weak kings caused political turmoil within Kumaon. Kumaon was further severely weakened due to two Rohilla invasions, from which it never fully recovered. Owing to political instability, financial crisis, power struggle and rebellions within the Kingdom of Nepal was able to invade and annex the kingdom of Kumaon in 1791. After 24 years of oppressive Nepalese rule, this region fell to the British East India Company and later the British Crown.

The Katyuris and the Chands left a substantial legacy to modern - Day Uttarakhand. Much of the Kumauni Culture, societal norms and folk traditions, along with the Kumaoni Language, derived from culture and traditions of the Katyuris and the Chands.

Paras Joshi  
CSE 3rd year



# Whisper of Dawn

The morning hums a quiet tune,  
soft light spills from a silver moon  
Dreams dissolve in hues of gold,  
A new day's story yet untold.

Wind carry secrets through the trees,  
Hopes flutter gently on the breeze  
Each moment fresh, each breath drown.  
Life begins with whispers of dawn.

**Raj Pratap Singh**  
CSE IIIrd year

## Web Development

### Web Development -

- ☛ Web development is the process of creating websites and web applications for internet or intranet.
- ☛ It can range from simple pages to complex social networks and electronic businesses.
- ☛ It is also known as website development.
- ☛ It is high level language because the primary language used in it, like HTML, CSS and Javascript, are designed to be closer to human language.
- ☛ It was developed by Tim Berners-Lee in 1989 at CERN.
- ☛ It is subset of software engineering that involves creating, building and maintaining websites and web applications.

### Important of Web Development -

- ☛ It differentiate your business from competitors because it can help you stand out from the crowd.
- ☛ If you have a website that is well-designed, easy to navigate visually appealing, you will be more likely to attract customers than business that don't have these features.

### Uses of Web Development in daily life -

1. Business
2. Coding
3. Online Shopping
4. Learning online course
5. Checking weather updates
6. Streaming videos
7. Accessing banking information
8. Reading news articles
9. Managing social media accounts
10. Using managing app.

Ashutosh Lohani  
CSE IIInd year

## Linux operating system

---

Linux एक मुक्त और खुला स्रोत (Open-source) ऑपरेटिंग सिस्टम है, जिसे लिनस टोरवाल्ड्स ने 1991 में विकसित किया था। यह यूनिक्स (Unix) ऑपरेटिंग सिस्टम पर आधारित है और इसका कोड सभी के लिए उपलब्ध है, जिससे कोई भी व्यक्ति इसे डाउनलोड, संशोधित और उपयोग कर सकता है।

### Linux के प्रमुख तत्व -

1. **कर्नल (Kernel)** : Linux का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा इसका कर्नल है। कर्नल हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के बीच संपर्क स्थापित करता है और सिस्टम संसाधनों का प्रबंधन करता है।
2. **डिस्ट्रीब्यूशन (Distributions)** : Linux के कई संस्करण या डिस्ट्रीब्यूशन होते हैं, जैसे Ubuntu, Fedora, Debian, Centos और Red Hat Enterprise Linux ये डिस्ट्रीब्यूशन अलग-अलग उद्देश्य और उपयोगकर्ताओं के लिए डिजाइन किए गए होते हैं।
3. **कमांड लाइन और CLI** : Linux में कमांड लाइन इंटरफेस (CLI) का प्रमुख उपयोग होता है, लेकिन अधिकांश डिस्ट्रीब्यूशन में ग्राफिकल यूजर इंटरफेस (GUI) भी उपलब्ध होता है, जिससे उपयोगकर्ता को काम करना आसान होता है।
4. **मुक्त स्रोत (Open Sources)** : Linux का कोड पूरी तरह से खुला होता है, जिसका मतलब है कि कोई भी व्यक्ति इसे देख सकता है, संशोधित कर सकता है और पुनः वितरित कर सकता है। यह इसका सबसे बड़ा फायदा है।
5. **सुरक्षा और स्थिरता** : Linux को सुरक्षा और स्थिरता के लिए जाना जाता है। इसका उपयोग सर्वरों में ज्यादा किया जाता है, क्योंकि यह लंबे समय तक बिना क्रैश हुए काम करता है।

### Linux के लाभ :

1. **मुफ्त और ओपन सोर्स** : Linux का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह मुफ्त है और आप इसे अपने हिसाब से बदल सकते हैं।
2. **उच्च सुरक्षा** : Linux अधिक सुरक्षित होता है और हैकर्स के लिए इसे तोड़ना कठिन होता है।
3. **स्थिरता** : यह लंबे समय तक बिना किसी परेशानी के चल सकता है, जो इसे सर्वर और उच्च-प्रदर्शन सिस्टम के लिए आदर्श बनाता है।
4. **कस्टमाइजेशन** : आप Linux को अपनी जरूरतों के अनुसार पूरी तरह से अनुकूलित (customize) कर सकते हैं।

Sahil Kumar  
CSE Final year

# **World Politics And Pressing Matters**

## **Department of Government Efficiency in America**

Donald Trump has tapped Elon Musk and Vivek Ramaswamy to lead a new initiative called the Department of Government Efficiency, or DOGE. Trump announced the move on Musk's X platform, noting DOGE would help dismantle government bureaucracy, cut wasteful expenditures and restructure federal agencies. Trump believes these changes are essential to his "Save America" movement.

Musk stated that DOGE will send "shockwaves through the system". Trump says the department will operate as an advisory commission and partner with the White House and the Office of Management and Budget to "drive large scale structural reform and create an entrepreneurial approach to Government never seen before".

DOGE is not an official government entity but will function as an advisory group. Musk and Ramaswamy will act as "external volunteers" to aid the Trump transition team in selecting members for the DOGE initiative. The team will advise the White House on budget cuts and regulations deemed beyond the legal authority of federal agencies.

## **Russia-Ukraine War**

The Russia-Ukraine war, which began in February 2022, continues to evolve with significant developments into 2025. Recent events include Russia's claim to have regained territory in Kursk after Ukraine's incursions, although progress remains limited due to swift Russian responses. Ukraine has also intensified attacks on Russian infrastructure, targeting oil refineries and depots with drones.

In May 2024, Russia launched an offensive on the Kharkiv region, which stalled despite initial gains. Later in the year, Russian campaigns pushed deeper into eastern and southeastern Ukraine, particularly in Donetsk, seizing over 4,000 square kilometres of Ukrainian territory.

Casualties and displacement remain high, with estimates of over 700,000 Russian and 400,000 Ukrainian military casualties. Millions of Ukrainians have been displaced. Despite consistent aid from the United States, the election of U.S. President Trump has raised concerns about potential shifts in the war strategy, as he seeks to make peace deal, causing worry in Kyiv regarding future security guarantees.

## **Global Declining Birth Rates**

The global birth rate is declining, posing significant challenges for economies worldwide. The current birth rate for the world in 2025 is 17.13 births per 1,000 people, a 0.95% decrease from 2024. Projections indicate a continued decline, with the global fertility rate potentially reaching 1.8 in 2025 and 1.6 in 2100, well below the replacement level of 2.1.

This decline is particularly concerning for countries like South Korea and Serbia, where rates are less than 1.1 child per female. By 2050, it is estimated that over three-quarters of countries will not have high enough fertility rates to sustain their population size. By 2100, only six countries are expected to have fertility rates exceeding 2.1 births per female.

The shift means that economies face a shrinking working-age population and a growing number of older people. Some anticipate the global population may start to decline by the 2050s. This demographic shift necessitates rethinking existing systems for work and retirement to ensure future global prosperity.

Chetan Rajput  
CSE (Final Year)



## Thoughts

- ◆ अगर एक हारा हुआ इंसान हारने के बाद भी 'मुस्करा दे' तो जीतने वाला भी जीतने की खुशी खो देता है।
- ◆ असफल होना बुरा है, लेकिन प्रयास ही न करना बहुत बुरा है।
- ◆ सफलता वो नहीं होती जो हम पाना चाहते हैं। सफलता वो होती है, जो हम खुद के लिए चुनते हैं।
- ◆ महानता वह नहीं होती कि आप गिर गए और उठे ही ना, महानता उसे कहते हैं जब आप गिरकर बार-बार उठते हैं।
- ◆ समय और शिक्षा का सही उपयोग ही व्यक्ति को सफल बना देता है।

Bhanu Kothari  
CSE (First Year)

### भारत की प्रगति कविता :

भारत उठो, जगत को दिखाओ,  
तुम्हारी शक्ति, तुम्हारी मंजिल को।  
तुम्हारे युवाओं में जोश है,  
तुम्हारे वैज्ञानिकों में ज्ञान है।

तुम्हारी तकनीक दुनिया को चकित कर रही है,  
तुम्हारे सॉफ्टवेयर दुनिया को संचालित कर रहे हैं।  
तुम्हारे वैज्ञानिक अंतरिक्ष में पहुंच रहे हैं,  
तुम्हारे युवा दुनिया को बदल रहे हैं।

भारत उठो, तुम्हारी प्रगति को दिखाओ,  
तुम्हारी शक्ति को दुनिया को दिखाओ  
तुम्हारा भविष्य उज्ज्वल है,  
तुम्हारी प्रगति दुनिया को चकित करेगी।

भारत की प्रगति पर गर्व है,  
भारत की शक्ति पर गर्व है।  
भारत उठो, तुम्हारी प्रगति को दिखाओ,  
तुम्हारी शक्ति को दुनिया को दिखाओ।

Rajesh Kohli (Lecturer)  
Computer Science and Engineering  
G. P. Kotabagh

# CYBER CRIME

**Cyber crime** encompasses a wide range of criminal activities that are carried out using digital devices and/or networks. These crimes involve the use of technology to commit fraud, identity theft, data breaches, computer viruses, scams and expanded upon in other malicious acts.

Cybercriminals exploit vulnerabilities in computer systems and networks to gain unauthorized access, steal sensitive information, disrupt services and cause financial or reputational harm to individuals, organizations and governments.

In 2000, the tenth United Nations Congress on the Prevention of Crime and the treatment of Offenders classified cyber crimes into five categories : unauthorized access, damage to computer data or programs, sabotage to hinder the functioning of a computer system or network, unauthorized interception of data within a system or network and computer espionage. Internationally, both state and non-state actors engage in Cybercrimes, including espionage, financial theft and other cross-border crimes. Cybercrimes crossing international borders and involving the actions of at least one nation-state are sometimes referred to as cyberwarfare. Warren Buffett has described that Cybecrimes is the "number one problem with mankind" and that it "poses real risks to humanity".

The World Economic Forum's (WEF) 2020 Global Risks Report highlighted that organized Cybercrime groups are joining forces to commit criminal activities online, while estimating the likelihood of their detection and prosecution to be less than 1 percent in the US.

There are also many privacy concerns surrounding Cybercrime when confidential information is intercepted or disclosed, legally or otherwise.

The World Economic Forum's 2023 Global Risks Report ranked Cybercrime as one of the top 10 risks facing the world total and for the next 10 years.

If viewed as a nation state, Cybercrime would count as the third largest economy in the world.

In numbers, Cybercrime is predicted to cause over 9 trillion US dollars in damages worldwide in 2024.

Sumit Thuwal  
CSE Final year

## **New Methods To Break Down Man-Made Chemicals**

New methods to break down man-made chemicals include using specially engineered enzymes ("plastic-eating enzymes") to degrade plastics, utilizing microbial communities to biodegrade pollutants, employing photochemical degradation with UV light and catalysts to break down pesticides and advanced chemical recycling techniques like pyrolysis and Depolymerization to convert plastic waste into reusable materials.

### **:: Key Points About New Methods ::**

#### **Enzyme-based degradation :**

Scientists are developing highly efficient enzymes, like "FAST-PETase," which can rapidly break down complex plastic polymers like polyethylene terephthalate (PET) into smaller, reusable components, significantly reducing plastic waste.

#### **Microbial bioremediation :**

Utilizing bacteria and fungi that naturally degrade certain chemicals, potentially allowing for the breakdown of pollutants in soil and water environments.

#### **Photocatalytic degradation :**

Using sunlight and photocatalysts like titanium dioxide to activate chemical reactions that break down pollutants into harmless substances.

#### **Chemical recycling :**

**Pyrolysis :** Breaking down plastic waste into smaller hydrocarbon molecules through high heat in the absence of oxygen, enabling the creation of new plastic materials.

**Depolymerization :** Chemically Breaking down polymer chains into monomers that can be used to produce new polymers.

Examples of recent advancements :

#### **Artificial worm gut :**

Researchers have developed a synthetic system mimicking the digestive process of worms to break down plastic waste.

#### **AI-designed enzymes:**

Using machine learning to engineer new enzymes with enhanced capabilities for plastic degradation.

#### **Catalytic processes for plastic breakdown :**

Scientists are exploring catalysts that can efficiently break down various types of plastic at lower temperatures.



### Important considerations

- ◆ Scale and cost-effectiveness :

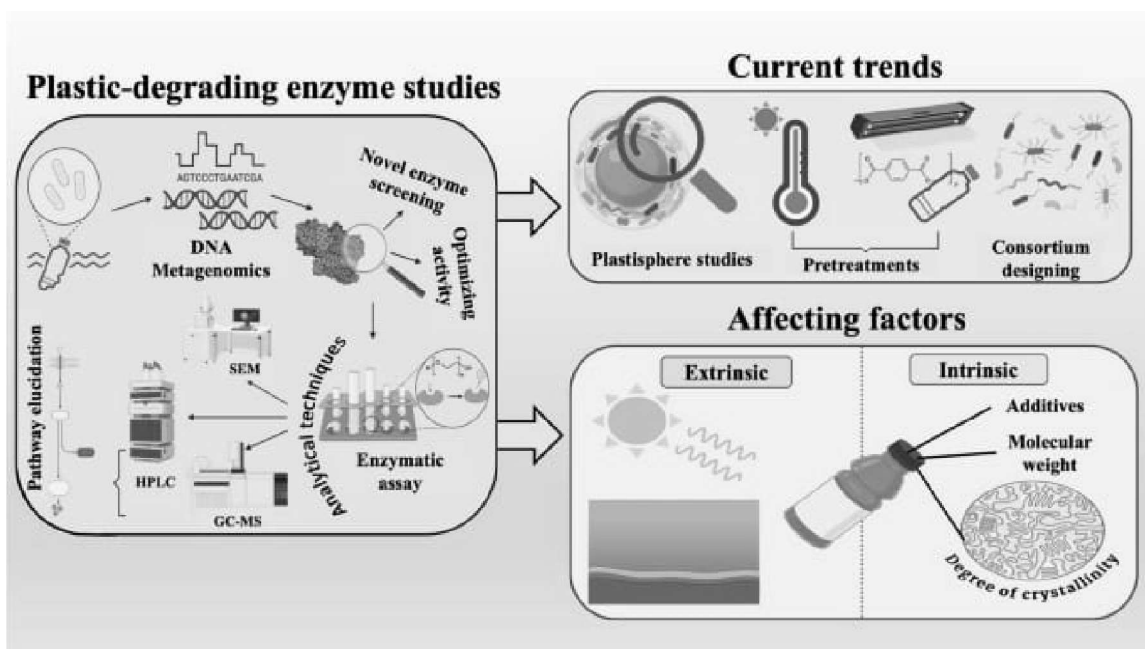
While promising, many new technologies need further development to achieve large-scale application due to potential cost constraints.

- ◆ Specificity :

Ensuring that the breakdown process targets the desired chemicals without creating harmful by products.

- ◆ Regulation and environmental impact assessment :

Proper evaluation of new technologies to ensure they are environmentally friendly and comply with regulations.



CHETANA CHAUHAN DHAPOLA  
H.O.D. (Basic Science & Humanities)  
G.P. KOTABAGH (NAINITAL)

## Annual Sports Meet 2024-25

गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी राजकीय पॉलीटेक्निक कोटाबाग में संस्था स्तरीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन किया गया, जिसके लिए सर्वप्रथम दिनांक 07-01-2024 को प्रधानाचार्य महोदय द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु की जाने वाली तैयारियों पर चर्चा हेतु एक मीटिंग ली गयी, जिसमें क्रीड़ा अधिकारी श्री आशीष भारद्वाज, क्रीड़ा प्रभारी श्री देवेन्द्र सिंह भण्डारी सहित संस्था के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया एवं कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु छात्रों को प्रोत्साहित करने एवं पूर्ण सहयोग प्रदान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। तत्पश्चात् दिनांक 18-10-2024 को दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2024-25 का शुभारम्भ मार्चपास के साथ हुआ, जिसमें आर्यभट्ट, भाभा, रमन एवं विश्वेश्वरैया चारों भवनों के छात्र/छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

दो दिवसीय इस वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में दौड़ ( 100 मी०, 200 मी०, 400 मी० ) कूद (लम्बी, ऊँची), थ्रो (गोला, भाला, चक्का) बॉलीबॉल, बैडमिन्टन, टेबल टेनिस आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें चारों भवनों के खिलाड़ियों ने पूर्ण उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। साथ ही संस्था के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका का निर्वहन किया गया।

खेलकूद प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रियांशु तिवारी, इलैक्ट्रॉनिक्स इंजी०, प्रथम वर्ष को Boy's Champion एवं महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली इलैक्ट्रॉनिक्स इंजी० ब्रांच की तृतीय वर्ष की छात्रा कोमल छिमवाल को Girl's Champion का खिताब दिया गया।

इसी प्रकार चारों भवनों में से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले रमन भवन/सदन को House Championship प्रदान की गयी। इसी के साथ दो दिवसीय इस खेलकूद प्रतियोगिता का समापन दिनांक 19-10-2024 को प्रधानाचार्य महोदय के समापन भाषण के साथ सम्पन्न हुआ, जिसमें उन्होंने क्रीड़ा अधिकारी, क्रीड़ा प्रभारी एवं संस्था के समस्त अधिकारियों / कर्मचारियों को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2024-25 को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने हेतु शुभकामनाएं दी एवं जीवन में खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला व कॉलेज में होने वाली आगामी प्रतियोगिताओं में और अधिक उत्साह के साथ प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया।

## Year 2024-25

**1. House Champion - Raman House**

**2. Boys Champion - Priyanshu Tiwari (Elex Ist year)**

**3. Girls Champion - Komal Chhimal (Elex IIIrd year)**



## Annual Sports Meet 2024-25

S.N.	Event	Winner	Branch/Year (Sem)
1.	100M Race (BOYS)	PRINYANSHU TIWARI	ELEX 1ST Year
2.	100M RACE (GIRLS)	HIMANI JOSHI	ELEX 2ND Year
3.	200M RACE (BOYS)	PRINYANSHU TIWARI	ELEX 1ST Year
4.	200M RACE (GIRLS)	KOMAL CHHIMAL	ELEX 3RD Year
5.	400M RACE (BOYS)	HIMANSHU TIWARI	CSE 2ND Year
6.	400M RACE (GIRLS)	KOMAL CHHIMAL	ELEX 3RD Year
7.	LONG JUMP (BOYS)	PRINYANSHU TIWARI	ELEX 1ST Year
8.	LONG JUMP (GIRLS)	HIMANI JOSHI	ELEX 2ND Year
9.	HIGH JUMP (BOYS)	SANDEEP NEGI	ELEX 2ND Year
10.	HIGH JUMP (GIRLS)	KOMAL CHHIMWAL	ELEX 3RD Year
11.	JAVELIN THROW (BOYS)	DIVYANSHU	CSE 2ND Year
12.	JAVELIN THROW (GIRLS)	DAMYANTI	CSE 3RD Year
13.	DISC THROW (BOYS)	PRIYANSHU JANTWAL	ELEX2ND Year
14.	DISC THROW (GIRLS)	MANSHI RAWAT	CSE 2ND Year
15.	SHOT PUT (BOYS)	PRIYANSHU TIWARI	ELEX 1ST Year
16.	SHOT PUT (GIRLS)	AKANSHA	CSE 3RD Year
17.	TABLE TENNIS (BOYS)	MOHIT BISHT	ELEX 3RD Year
18.	TABLE TENNIS (GIRLS)	SIMRAN	CSE 3RD Year
19.	BADMINTON (BOYS)	MOHIT BISHT	ELEX 3RD Year
20.	BADMINTON (GIRLS)	HIMANI JOHSI	ELEX 2ND Year
21.	RELAY RACE (BOYS)	SACHIN	CSE 2ND Year
22.	RELAY RACE (BOYS)	SANDEEP NEGI	ELEX 2ND Year
23.	RELAY RACE (BOYS)	PRIYANSHU	CSE 1ST Year
24.	RELAY RACE (BOYS)	RAMAN SINGH	CSE 3RD Year
25.	VOLLEY BALL (BOYS)	GAURAV	CSE 3RD Year
26.	VOLLEY BALL (BOYS)	GAURAV	ELEX 3RD Year
27.	VOLLEY BALL (BOYS)	BHARAT SINGH	CSE 3RD Year
28.	VOLLEY BALL (BOYS)	VISHAL	ELEX 2ND Year
29.	VOLLEY BALL (BOYS)	DEEPANSHU	ELEX 2ND Year
30.	VOLLEY BALL (BOYS)	KISHAN	ELEX 1ST Year
31.	VOLLEY BALL (BOYS)	ARYAN	ELEX 2ND Year
32.	200 M RACE (BOYS)	PRIYANSHU TIWARI	ELEX 1ST Year



## KARNA

Karna is one of the most fascinating characters of the Mahabharata. Besides being an invincible warrior, he was known for his generosity.

Karna was the son of Kunti from the Sun God. The story is that a Rishi Durvasha gave Kunti a mantra and said whichever God, she would think after reciting the mantra, would appear before her and bless her with a son endowed with his own godly qualities.

Rishi Durvasha could foresee that Kunti would have no issues from her husband. That's why he gave her this vardana.

Kunti out of curiosity, once tried the mantra and remembered Surya, the Sun God. The radaince happened. Surya appeared in his resplendent glory.

Kunti put the son in a basket and placed him in the river Ganga. The basket was seen by Adhirath, a charioteer. He picked up the baby that is why sometimes Karna referred to as Sarthi Putra.

Karna was keen to acquire the Brahmastra mantra from the great teacher Parshuram. However, he knew that Parshuram gave instructions to Brahmins only. So he disguised as a Brahmin and beseeched Parshuram to accept him as a Shishya.

One day when Parshuram was resting in Karna's lap, it so happened that a bee stung Karna on the lower portion of his thigh. It was very painful and it started bleeding. However fearing that if he moved his legs, he would awaken Parshuram.

He did not move at all and continued to suffer. When Parshuram woke up, he saw and than asked son tell me who you are, because a Brahmin cannot suffer physical pain.

Only a Kshatriya can endure so much pain. Karna was obliged to disclose his identity, Parshuram was greatly annoyed because he was a sworn enemy of Kshatriyas.

He therefore cursed Karna that as he had learnt through deceit, he shall forget the vidya which Parshuram had taught him when he is in crucial juncture.

After cursing, Parshuram took pity on Karna and gave him his bow, which he had received from 'Lord shiva', the 'Vijay bow'

Once guru Dronacharya tested his disciples in which he challenged all the archers of the world who had seen Arjun's archery and said that if any one could surpass Arjun he should come to the court and prove it. Hearing this Karna came to the court and challenged Arjun and Guru Dronacharya to prove that there are better archers than Arjun in this world.

After this, a terrible battle took place between Karna and Arjun in which both of them displayed their vidhya.

At last Arjun took out Brahmastra to fight Kanna and Karna took out Brahmastra to respond Arjun's Brahmastra. Guru Dronacharya and Pitamah Bhishma knew that if both of them fired arrows than the world would be destroyed, hence Surya stopped war between them. Since the Duryodhan and Karna have become good friends.

Once pandavs and Kauravs were playing gambling with each other, Karna saying them that not to play gambling anymore but they did not care about it and lost their property and Draupadi in gambling. In which Kauravas especially Duryodhana publicly humiliated and disrobed Draupadi however, at right time Krishna came and saved Draupadi. After that a great war was announced between Kauravas and Pandavas that took place in Kurukshetra. This war was continued for 18 days in which many warriors died on the 17th day. The world's greatest archer Karna died in this war.

Everyone knows that defeating Karna is not only difficult but it's impossible. That's why Karna was defeated by deceit.

Indra took Karna's kavach and kundal by deceit, betting cursed from Parshuram and many more. Even Lord Krishna also knew that in this war, Karna was the only archer who had the power to end the entire war with just one arrow.

After the death of Karna all the warriors along with Krishna, Parshuram and Surya Dev, there were tears dropped from every warrior's eyes.

After that Parshuram came and said he was the greatest archer in the world, there is no one who can defeat him except Lord Shiva.

At the end everyone's eyes filled with tears and there was a silence all around the world.

Priyanshu Dhariyal  
CSE - II year

## ॥ छत्रपति वीर शिवाजी ॥

**जन्म - 19 फरवरी 1630**

**स्वर्गवास - 3 अप्रैल 1680**

छत्रपति वीर शिवाजी का जन्म 19 फरवरी 1630 में मराठा परिवार में हुआ था। उनका पूरा नाम शिवाजी भोंसले थे। शिवाजी के पिता साहजी व माता जीजाबाई थीं। उनका जन्म पूणे के पास स्थित शिवनेरी के दुर्ग में हुआ था।

उनका बचपन उनकी माता के मार्गदर्शन में बीता। उनकी माताजी धार्मिक स्वभाव होने के बाद भी गुण-स्वभाव होने के बाद भी गुण-स्वभाव में वीरंगना नारी थी। इसके कारण शिवाजी का पालन-पोषण रामायण, महाभारत तथा अन्य भारतीय वीरात्माओं की उज्ज्वल कहानी सुनाकर हुआ था। उन्हें धर्म, संस्कृति व राजनीति की उचित शिक्षा दिलाई थी। शिवाजी परम संत रामदेव के संपर्क में आने से पूर्णतया राष्ट्रप्रेमी, कर्तव्यपरायण व कर्मठ योद्धा बन गए।

छत्रपति शिवाजी महाराज का विवाह सन् 14 मई सन् 1640 में सईबाई निम्बालकर के साथ हुआ था। उनके पुत्र का नाम संभाजी था। वह शिवाजी के ज्येष्ठ पुत्र और उत्तराधिकारी थे। शिवाजी महाराज साहसी, ईमानदार व धर्मरक्षक व देशप्रेमी थे। जब बीजापुर के शासक आदिलशाह ने उनके पिता को बंदी बना दिया तो उन्होंने साहस व विवेक से अपने पिता को रिहा करा दिया। यह बात जब शासक को पता चली तो उसने शिवाजी को जीवित या फिर मृत पकड़ने का आदेश दिया और अपने सेनापति अफजल खाँ को भेजा, जिसने सुलह करने के धोखे से शिवाजी को मारना चाहा, परन्तु शिवाजी समझ गए व उल्टा उन्होंने अफजल खाँ को मौत के घाट उतार दिया।

हम सभी जानते हैं कि छत्रपति वीर को “हिन्दू हृदय” व “गौरव मराठा” के नाम से भी जाना जाता है। लम्बे समय तक बीमार होने के कारण 3 अप्रैल 1680 को भारत माता के वीर सपूत छत्रपति शिवाजी ने अपने प्राण त्याग दिये।

कंचन जोशी  
सी.एस.ई.  
प्रथम वर्ष

# Toppers - 2024



**Pooja Chamyal**  
Computer Science & Engg.



**Himanshu Sanwal**  
Electronics Engg.





